29T MHIN

2019

HINDI

(MODERN INDIAN LANGUAGE)

Full Marks : 100

Pass Marks : 30

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

*Q. No. **1** carries **1** mark each*	1×5 = 5
*Q. No. **2** carry **15** marks*	15
*Q. No. **3** carry **10** marks*	10
*Q. No. **4** carry **5** marks*	5
*Q. No. **5** carries **1** mark each*	1×5 = 5
*Q. No. **6** carries **5** marks*	5
*Q. No. **7** carries **8** marks*	8
*Q. No. **8** & **9** carries **6** marks each*	6×2 = 12
*Q. No. **10** carry **8** marks*	8×1 = 8
*Q. No. **11** carries **3** marks each*	3×4 = 12
*Q. No. **12** carries **2** marks each*	2×2 = 4
*Q. No. **13** carries **3** marks each*	3×2 = 6
*Q. No. **14** carry **5** marks*	5
	Total =100

Contd.

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
और प्रज्वलित-प्राण देश क्या कभी मरेगा मारे ?
लहू गर्म करने को रक्खो मन में ज्वलित विचार,
हिंस्र जीव से बचने को चाहिए किन्तु तलवार।
एक भेद है और, जहाँ निर्भय होते नर-नारी,
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिनगारी।
जहाँ मनुष्यों के भीतर हरदम जलते हैं शोले।
बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले।
जहाँ लोग पालते लहू में हलाहल की धार,
क्या चिन्ता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार ?

प्रश्न :

(*i*) कलम कैसे आग उगलती है ? 1

(*ii*) तलवार किसलिए जरूरी है ? 1

(*iii*) तलवार न होने की चिंता कहाँ नहीं रहती ? 1

(*iv*) अक्षरों के चिनगारी बनने का क्या आशय है ? 1

(*v*) इस पद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

भारतीय संविधान निर्माताओं में से एक डॉ॰ भीमराव आंबेडकर आधुनिक भारतीय चिंतन में अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान के अधिकारी है। उन्होंने जीवनभर दलितों की मुक्ति एवं सामाजिक समता के लिए संघर्ष किया। उनका पूरा लेखन इसी सघंर्ष और सरोकार से जुड़ा हुआ है। स्वयं दलित जाति में जन्मे डॉ आंबेडकर को बचपन से ही जाति-आधारित उत्पीड़न-शोषण एवं अपमान से गुजरना पड़ा था। इसलिए विद्यालय के दिनों में जब एक अध्यापक ने उनसे पूछा कि "तुम पढ़-लिखकर क्या बनोगे ?" तो बालक भीमराव ने जवाब दिया था—मैं पढ़-लिखकर वकील बनूँगा, अछूतो के लिए नया कानून बनाऊँगा और छुआछूत को खतम करूँगा। डॉ आंबेडकर ने अपना पूरा जीवन इसी सकंल्प के पीछे झोंक दिया। इसके लिये उन्होंनें जमकर पड़ाई की। व्यापक अध्ययन एवं चितंन-मनन के बलपर उन्होंनें हिन्दुस्थान के स्वाधीनता संग्राम में एक नयी अंतर्वस्तु भरने का काम किया। वह यह था कि दासता का सबसे व्यापक व गहन रूप सामाजिक दासता है और इसके उन्मूलन के बिना कोई भी स्वतन्त्रता कुछ लोगों का विशेषाधिकार रहेगी, इसलिए अधूरी होगी।

प्रश्न :

(i) आधुनिक भारतीय चिंतन में भीमराव आंबेडकर का स्थान महत्वपूर्ण क्यों है ? 2

(ii) डॉ॰ भीमराव आंबेडकर ने जीवन भर किसकी मुक्ति के लिए संघर्ष किया ? 2

(iii) डॉ॰ आंबेडकर किस जाति के थे ? 1

(iv) ''तुम पढ़-लिखकर क्या बनोगे ?'' अध्यापक के इस प्रश्न के उत्तर में भीमराव ने क्या कहा ? 2

(v) अपनो संकल्प को पूरा करने के लिए भीमराव जी ने क्या किया था ? 2

(vi) स्वाधीनता संग्राम में नयी अन्तर्वस्तु भरने का काम क्या था ? 2

(vii) किसके बिना स्वतन्त्रता अधूरी होगी ? 2

(viii) अर्थ लिखिए — गुजरना, जमकर, अन्तर्वस्तु और उन्मूलन। 2

3. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : 10

(क) विज्ञान वरदान या अभिशाप

(भूमिका—विज्ञान के सदुपयोग—दुरूपयोग—चुनौतियाँ—उपसंहार)

(ख) जनसंचार माध्यम :

(भूमिका—प्रकार—सामाजिक जीवन में जनसंचार माध्यम का सुप्रभाव—कुप्रभाव—उपसंहार)

(ग) स्वच्छता अभियान और भारत

(भूमिका—स्वच्छता और पर्यावरण का संबंध—नागरिकों का कर्तव्य—प्रशासन का दायित्व—उपसंहार)।

4. अपने इलाके की शोचनीय यातायत की व्यवस्था का उल्लेख करते हुए ***किसी*** भी ***एक*** स्थानीय पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने शहर के चिकित्सालय के अस्वास्थ्यकर वातावरण के सम्बंध में जिला अधिकारी को सूचित करते हुए एक पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

(क) प्रिंट माध्यम क्या है ? 1

(ख) जनसंचार माध्यम किसे कहते हैं ? 1

(ग) रेडियो कौन सा जनसंचार माध्यम है—दृश्य या श्रव्य ? 1

(घ) संपादक का मुख्य काम क्या होता है ? 1

(ङ) हिन्दी के दो प्रमुख पत्रिकाओं का नाम लिखिए। 1

6. (क) वर्तमान समाज में बहुचर्चित भ्रष्टाचार पर एक आलेख प्रस्तुत कीजिए। 5

अथवा

(ख) अपने आँखो देखी *किसी एक* पथ दुर्घटना पर एक फिचर लिखिए।

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8

(क) बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे,
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता-
कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

प्रश्न :

(i) प्रस्तुत काव्यांश के कवि और कविता का नाम बताइए। 2

(ii) बच्चे प्रत्याशा में किसलिए हैं ? 2

(iii) परों में चंचलता किस कारण आ जाती है ? 2

(iv) 'नीड़ो से झाँक रहे होंगे'
—भाव स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

(ख) झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना।

प्रश्न :

(i) कवि ने किसे अलौकिक रस कहा है ? 2

(*ii*) 'रोपाई क्षण की, कटाई अनंतता की' — आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(*iii*) कवि ने रस का अक्षय पात्र किसे कहा है और क्यों ? 2

(*iv*) 'लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती' — भाव स्पष्ट कीजिए। 2

8. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6

(क) कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?

प्रश्न :

(*i*) 'कविता एक खिलना है फूलों के बहाने'— आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(*ii*) 'बिना मुरझाए महकने के माने फूल क्या जाने' — भाव सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 2

(*iii*) बिना मुरझाए बाहर-भीतर कौन महकता है ? 2

अथवा

(ख) आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है
बालक तो हुई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है।

प्रश्न :

(*i*) बालक आंगन में ठुनक कर माँ से क्या जिद कर रहा है ? 2

(*ii*) माँ बालक को किस प्रकार शान्त करती है ? 2

(*iii*) प्रस्तुत काव्यांश के कवि और कविता का नाम बताइए । 2

9. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×2=6

(क) नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
— आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
— भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'हम समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएँगे—
— इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग किया है ?

(घ) तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अधंकार-अमावस्या—
— कवि ने व्यक्तिगत सन्दर्भ में किस स्थिति को अमावस्या कहा है ?

10. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8

(क) यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारुपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं।

प्रश्न :

- *(i)* बाज़ार की सार्थकता का क्या आशय है ? 2
- *(ii)* किस प्रकार के लोग बाज़ारुपन को बढ़ाते हैं और कैसे ? 2
- *(iii)* धन की शक्ति का बाज़ार पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 2
- *(iv)* बाज़ार में सद्भाव क्यों घटता है ? स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) "भारतीय कला और सौन्दर्यशास्त्र को कई रसों का पता है, उनमें से कुछ रसों का किसी कलाकृति में साथ-साथ पाया जाना श्रेयस्कर भी माना गया है, जीवन में हर्ष और विषाद आते रहते हैं यह संसार की सारी सांस्कृतिक परंपराओं को मालूम है, लेकिन करूणा का हास्य में बदल जाना एक ऐसे रस — सिद्धान्त की माँग करता है जो भारतीय परंपराओं में नहीं मिलता। 'रामायण' तथा 'महाभारत' में जो हास्य है वह 'दूसरों' पर है और अधिकांशतः वह परसंताप से प्रेरित है। जो करुणा है वह अकसर सद्व्यक्तियों के लिए और कभी-कभार दुष्टों के लिए है। संस्कृत नाटकों में जो विदूषक है वह राजव्यक्तियों से कुछ बदतमीजियाँ अवश्य करता है, किंतु करुणा और हास्य का सामंजस्य उसमें भी नहीं है। अपने ऊपर हँसने और दूसरों में भी वैसा ही माद्दा पैदा करने की शक्ति भारतीय विदूषक में कुछ कम ही नज़र जाती है।"

प्रश्न :

(i) भारतीय सौन्दर्यशास्त्र में विभिन्न रसों का मेल किस भांति होता है ? 2

(ii) संस्कृत नाटकों के विदूषक किस प्रकार का होता है ? 2

(iii) भारतीय कलाओं में करुणा किन पर व्यक्त की जाती है ? 2

(iv) 'रामायण' और 'महाभारत' का हास्य किस प्रकार का है ? 2

11. निम्नलिखित में से *किन्हीं चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(क) 'बाज़ार में एक जादू है।' —
लेखक ने ऐसे क्यों कहा ? 3

(ख) जीजी मनुष्य के किस आचरण को महत्व देती है ? 3

(ग) चार्ली के मन पर हास्य और करुणा के संस्कार कैसे पड़े ? 3

(घ) सफ़िया नमक की पुड़िया को कीनुओं की टोकरी के नीचे क्यों छिपाती है ? 3

(ङ) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ? 3

पूरक पुस्तक (वितान भाग-2)

12. निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

(क) यशोधर बाबू और उनके बच्चों के बीच के सम्बंध कैसे थे ?

(ख) यशोधर बाबू की दिनचर्या कैसी थी ?

(ग) सिंधु सभ्यता साधन-सम्पन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। कैसे ?

13. *किन्हीं दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×2=6

(क) मुआनजोदारो सभ्यता के *किन्हीं तीन* विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) मुआनजोदारो सभ्यता को लो-प्रफाइल सभ्यता क्यों कहा जाता है ?

(ग) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ आगे बढ़ने में सफल हो गयी थी, लेकिन यशोधर बाबू असफल रह गये।' — ऐसा क्यों ?

14. 'क्या सिन्धु घाटी सभ्यता को हम जल-संस्कृति कह सकते हैं ?'' 5
— समझाकर लिखिए।

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' पाठ में नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के अन्तराल को किस तरह दिखाया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

——×——